डूबा है दिल किसकी यादों में इसको जरा टटोल
एक बाबा की सुन रे भैया एक बाबा से ही बोल
किसी देहधारी के प्यार में दिल तेरा ना फंसे कहीं
जीवन तेरा गृहस्थी के इस कीचड़ में ना धँसे कहीं
देख गौर से कौन है दिल में कोई देहधारी या बाप
दिल में रख बाप को वर्ना देहभान का लगेगा श्राप
पावन से तूँ पतित बन गया कर कर लाखों पाप
पावन नहीं बन पाया किए कितने ही मन्त्र जाप
अब देह के सर्व बन्धनों से होकर पूरा स्वतन्त्र
धारण कर ले शिव बाबा की याद का महामन्त्र
भूल नहीं एक पल भी निज घर और निज स्वरूप
काम नहीं आएंगे ये विनाशी देह के नाम और रूप

बाप की मीठी याद में खोकर मीठे तुम बन जाना
अपने समान हर एक आत्मा को मीठा तुम बनाना
ॐ शांति